लोकप्रिय मनोंरजन द्वारा मिली प्रेरणा से निश्चित बदलाव।

क्योंकि.... जीना इसी का नाम है - इस प्रसिद्ध शिक्षा देने वाली मनोरंजक धारावाहिक की 200 अनुकहानियों की सफलता को यूनिसेफ मना रही है।

सोमवार 24 अगस्त 2009 को राष्ट्रीय दूरदर्शन पर रात 8:30 बजें प्रसार की गई यूनिसेफ द्वारा प्रस्तुत 200 अनूकहानियों कि शिक्षा पर आधारित मनोरंजक धारावाहिक क्योंकि....... जीना इसी का नाम है। यह धारावाहिक हर प्रकार की मानसीक अनूभूतिया और नाटकीय मोड़ से भरपूर है जिस कारण ऐसी धारावाहिक कहानियाँ इतनी लोकप्रिय हो जाती है। क्योंकि का उत्थान एक एसे प्रतिनिधी के रूप में हुआ है जो कि भारतीय टेलिविजन दर्शकों के आचरन में एक नए परिर्वतन और उल्लेखनीय प्रभाव का आदान-प्रदान ले आया है। इस प्रभावशाली सामाजीक नाटक जिसे भारत के 125 मीलियन दर्शक देखते है - जीवन को उन्नत करना, जीवन-रक्षक उपदेश देना, बच्चों एवं माताओं की हर जगह पर हित के प्रति समालोचना इन्ही पहलूओं को अग्रसर कर रहा है। सूरक्षित मातृत्व से लेकर HIV की रोकथाम, शिशुओं को भोजन करवाने से लेकर लड़कियों कि शिक्षा, ऐसी समर्थक सामाजिक आचरण, मनोभावों और प्रथा जो सिधी तरीके से शिशुओं और माताओं कि मृत्यु दर को कम करने पर सीधा योगदान दे रही है।

यूनिसेफ की इण्डिया कन्ट्री ऑफिस की प्रोग्राम संचार विशेषज्ञ नायसन सहबा, जिन्होंने इस धारावाहिक को कल्पना किया कहा कि जब हमने चार साल पहले इस कल्पना की प्रर्दशन करने के लिए इस पर काम करना शुरू किया था तो तब उन दिनों सास बहु धारावाहिक अपनी जनप्रियता की चरम सीमा पर थी और सभी ने कहा कि हमारी कल्पना शक्ति को अपनाने के लिए कोई दर्शक नहीं मिलेगा। फिर भी हम बहुत ध्यान और हिम्मत के साथ आगे बढ़े और आप हमारी खुशी की कल्पना नहीं कर सकते कि किस हद तक हमारी प्रोग्राम ने सिर्फ अच्छा परिणाम ही नहीं दिया बल्की फलस्वरूप कुछ और नई सामाजिक जागरूतका करवाने वाले महिलाओ और बच्चों पर आधारित विषयों पर टेलिविजन के लिए धारावाहिक बनने लगे है और पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है।

क्योंकि...... का अधिकतर अद्वितीय दर्शक है जिनमें से युवाओं और पुरूष भी सम्मलित है, जिनका इन धारावाहिक को देखने का कोई संभावना ही नहीं होता। DD नेशनल में दिखाई

जाने वाली यह प्रमुख धारावाहिक पूरे भारत में अत्यन्त लोकप्रिय है और उच्च श्रेणी की मर्यादा प्राप्त किया है। इसे 8:30 से 9:00 बजें तक प्रसार किया जाता है।

बिना किसी लज्जा से सामाजीक प्रतिक्रियाशील विषयों जैसे कि बाल विवाह कि कू प्रथा, बाल गर्भास्था, लिंग समानता, गर्भनिरोधक का सही प्रयोग और HIV/AIDS का प्रतिरोध। इन विषयों पर चर्चा करने के लिए लड़कियों एवं भारतीय ग्रामीण परिवारों को क्योंकि..... एक परिर्वतन साधन बना है। जिससे उन्हे अपना मत प्रकाश करने में उत्साहीत किया गया है, जिन विषयों पर चर्चा करने का मौका उन्हे पहले कभी नहीं प्राप्त हुआ था।

दर्शकों का एकमत अनूसंधान दिखाता है कि क्योंकि देखने वाले दर्शकों का संख्या अटलता से बढ़ रही है और उसका सीधा प्रक्रिया उन पर पड़ रही है जो कहते है कि उन्होंने मन स्थिर कर लिया है कि वे भी दूसरो का शिक्षा कि अहमत से अवगत करवाँएगे, बच्चों को स्कूल जाने के लिए उत्साहित करंगे, अपने बच्चों को अनाक्रमा करवाना और हर समय साबुन से हाथ धोना सिखाएँगे।

यह धारावाहिक एक उपयोगी साधन और उच्च्तम विचार सर्म्पक केन्द्र बन गया है उन कार्यकर्त्ताओं के लिए जो समुख आकर निश्चित रूप से बदलाव लाने के लिए सामाजिक और स्वास्थ सम्बंधी आचरण आपसी बातचीत द्वारा उत्साहित करते है। गंभीर रूप से स्वास्थ कार्यकर्त्ताओं, अध्यापिकाओं और अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों ने दिखवाया है कि क्योंकि.... ने वास्तविक रूप में दूबारा चालू किया है उन कई अनुरूप उद्देश्य जिन पर वह काम कर रहे हैं और समकालीन विषयों से परिचित करवा रहा है एक आकर्षणपूर्ण, मनोरम और व्यवहारिक आचरण।

अधिक जानकारी के लिए कृप्या संपर्क करें :-

एंजेला वॉकर, संचार प्रमुख, यूनिसेफ इंडिया
फोन : +91-98-18106093 e-mail : awalker@unicef.org
गीतांजली मास्टर, संचार विशेषज्ञ, यूनिसेफ इंडिया
फोन : +91-9818015861 e-mail : gmaster@unicef.org
सोनिया सरकार, संचार अधिकारी-मीडिया, यूनिसेफ इंडिया
फोन : +91-98-9186-1445 e-mail : ssarkar@unicef.org